पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों की परीक्षा प्रणाली एवं मूल्यांकन प्रक्रिया के सुधार के लिये कुलपतियों की बैठक बुलाई

लखनऊः 21 अक्टूबर, 2016

राज्य विश्वविद्यालयों एवं उनसे सम्बद्ध महाविद्यालयों में छात्रों की अत्यधिक संख्या होने के कारण सफलतापूर्वक नकल विहीन वातावरण में परीक्षाओं का ससमय सम्पादन कराना एवं उसके बाद इतनी बड़ी संख्या में उत्तर पुस्तिकाओं का ठीक से मूल्यांकन कराकर परीक्षा परिणाम सीमित अवधि में समय से घोषित करना एक बड़ी चुनौती रही है। उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य में कतिपय नियमित शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन में अपेक्षित सहयोग न दिये जाने के कारण स्ववित्तपोषित एवं अतिथि प्रवक्ता/नियत वेतनमान में नियुक्त शिक्षकों के द्वारा सम्पादित किया जाता है। सीमित अवधि में मूल्यांकन कार्य पूर्ण करने के दबाव तथा उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अधिक होने के कारण उत्तर पुस्तिका का परीक्षण त्रुटिपूर्ण होता है। फलस्वरूप कतिपय प्रकरणों में मा0 कुलाधिपति महोदय के समक्ष प्रत्यावेदनों के माध्यम से अपेक्षित अंक प्राप्त न होने की शिकायत करते हुए उचित न्याय प्राप्त करने हेतु अनुरोध किया जाता है।

प्रकरण में विशेष रूप से प्रतिभाशाली एवं मेधावी छात्रों के भविष्य के दृष्टिगत मा0 कुलाधिपति महोदय द्वारा राजभवन में आयोजित कुलपति/कुलसचिव सम्मेलन में अपनी चिंता व्यक्त की गयी थी तथा परीक्षा प्रणाली एवं उत्तर पुस्तिकाओं की मूल्यांकन प्रक्रिया में सुधारात्मक सुझाव देने हेतु प्रो0 मुजम्मिल, कुलपति, डा॰ भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा एवं प्रो0 जे0वी0 वैशम्पायन, कुलपति, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर को निर्देशित किया गया था। समिति द्वारा प्रेषित रिपोर्ट पर विचार-मंथन करने तथा परीक्षा प्रणाली एवं मूल्यांकन प्रक्रिया में सुधारात्मक उपाय पर अभिमत स्थिर करने तथा नकल विहीन वातावरण में परीक्षा सम्पन्न किये जाने के उद्देश्य से दिनाँक 24 अक्टूबर को राजभवन में पूर्वान्ह् 11ः00 बजे से राज्य के 27 विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण की बैठक आयोजित की गयी है।

चन्द्रशेखर/राजेन्द्र/राजभवन (392/30)